CHEMISTRY DEPARTMENT

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

COLLEGE ACTIVITY 2016-2017

S.N	Name of the activity	Organising unit/ agency/ collaborating agency	Name of the scheme	Year of the activity	Number of students participated in such activities
1	Chemistry Practicals Training Program for Lab Technicians.	Chemical Society Chemistry Department	College activities	2016-2017	54
2	Chemistry Practicals Training Program for Lecturers	Chemical Society Chemistry Department	College activities	2016-2017	58
	Chemistry Practicals Training Program for School students - Govt. Hr. Sec. School Deepak Nagar Durg by prof. & Research scholars	Chemical Society Chemistry Department	College Activities	2016-2017	48 + school students

Chemistry Practical Training Program for Lab Technician (2016-17)

The role of lab techniques play is very important in developing skill in students. With the objective to take cake of difficulties encountered by students during practical work, it is very essential to train the lab technicians in this direction. Hence a two-day training Workshop was organized in which about more than 50 Lab technicians, even from remote areas - Dantewada, Korea, Raigarh, Rajnandgaon, Ambagarh chowki, etc regions. Participated and got benefited.

भविष्य निर्माण में प्रयोगशाला तकनीशियनों की भूमिका - कुलपति डॉ. दीक्षित

विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में प्रयोगशाला तकनीशियनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि सैद्धांतिक कक्षाओं के पश्चात् वास्तविक रूप से विषय की गहराई प्रायोगिक कक्षाओं में स्वयं प्रयोग करने के पश्चात् ही समझ में आती है। ये विचार दुर्ग विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति डॉ. एन.पी. दीक्षित ने महाविद्यालय में यूजीसी द्वारा प्रायोजित एवं आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित प्रयोगशाला तकनीशियनों के दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। डॉ. दीक्षित ने कहा कि प्रायोगिक कक्षाओं के दौरान यदि विद्यार्थियों को होने वाली कठिनाईयों के निराकरण में प्रयोगशाला तकनीशियन ईमानदारी से अपनी भूमिका अदा करें तो विद्यार्थियों के मन में विषय के प्रति रूचि उत्पन्न होने में मदद मिलती है। कुलपति डॉ. दीक्षित ने अपने दीर्घ शासकीय सेवाकाल के दौरान प्रायोगिक कक्षाओं के अनेक संस्मरण सुनाते हुए प्रयोगशाला तकनीशियनों से प्रायोगिक कक्षाओं के दौरान दुर्घटना से बचने हेतु सावधानीपूर्वक कार्य करने की सलाह दी। इससे पूर्व अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. राजपूत ने यूजीसी की इस उपयोगी कार्यशाला की प्रासंगिकता बताते हुए कहा कि नये उपकरणों के संचालन हेतु प्रयोगशाला तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक है। डॉ. राजपूत ने प्रायोगिक कक्षाओं में विषयवार प्रयोगों को संचालित करने में प्रयोगशाला तकनीशियनों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान प्रयोगों की बारीकियों को समझे। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अनिल कुमार ने अपने संबोधन में कार्यशाला के आयोजन एवं प्रशिक्षण के दौरान दिए जाने वाले विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी दी। डॉ. अनिल कुमार ने प्रयोगों की महता का भी गहराई से विश्लेषण किया। कार्यक्रम के संचालक डॉ. अजय सिंह ने यूजीसी द्वारा प्रायोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के विभिन्न महाविद्यालयों से आये प्रयोगशाला तकनीशियनों की सहभागिता की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला में लगभग 50 से अधिक प्रयोगशाला तकनीशियन सुदूर अंचल दंतेवाड़ा, कोरिया, रायगढ़, राजनांदगांव, अंबागढ़ चौकी जैसे क्षेत्रों से आए हुए है।

कॉलेज समाचार

प्रयोगशाला तकनीशियन उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण घटक

प्रयोगशाला तकनीशियन उच्च शिक्षा की महत्वपूर्ण घटक है। प्रायोगिक कक्षाओ के दौरान विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी प्रयोगशाला तकनीशियन एवं परिचारक ही होते है। ये विचार प्रो. एम.ए. सिद्दीकी ने आज व्यक्त किये। प्रो. सिद्दीकी आज महाविद्यालय के विज्ञान संकाय एवं आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रयोगशाला तकनीशियनों हेतु दक्षता विकास कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। प्रो. सिद्दीकी ने कहा कि ईमानदारी पूर्वक किया गया हर कार्य हमारे सम्पूर्ण जीवन काल तक हमारी पहचान रहता है। अतः प्रयोगशालाओं में प्रायोगिक बारीकियों को समझाते समय हमारे विद्यार्थियों एवं प्रयोगशाला तकनीशियनों दोनों की सावधानी आवश्यक है। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अनिल कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान

आयोजन के प्रस्ताव की जानकारी देते हुए कार्यक्र म के संचालक एवं कार्यशाला आयोजन के सहसंयोजक डॉ. अजय सिंह ने प्रयोगशाला तकनीशियनों को सदैव अपडेट रहने की सलाह दी। महाविद्यालय यूजीसी सेल की संयोजक डॉ. अनुपमा अस्थाना ने प्रयोगशाला में उपयोग में आने वाले उपकरणों, रसायनों एवं अन्य सामग्री की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रयोगशाला तकनीशियनों से आव्हान किया।

अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कार्यशाला के प्रतिभागी श्री चन्द्रशेखर ने कहा कि इस प्रकार के कार्यशाला हमारे दक्षता विकास में सहायक सिध्द होती है तथा हमें नये-नये उपकरणों के संचालन के विषय में जानकारी प्राप्त होती है। दुर्ग साइंस कालेज की प्रयोगशाला तकनीशियन श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए भविष्य में अधिक दिन के लिए आयोजित करने का सुझाव दिया। एक अन्य प्रतिभागी अजय किशोर ने अपने अनुभव बांटते हुए कहा कि दूरस्थ अंचल में पदस्थ प्रयोगशाला कर्मचारियों को नये उपकरणों के बारे में जानकारी